an>

Title: Need to develop tourism in Orchha city of Madhya Pradesh.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़) : माननीय सभापति महोदय, मैं अपने संसदीय क्षेत्र टीकमगढ़ के अंदर ओरछा पर्यटन केन्द्र की ओर आपका ध्यान आकर्षÂित करना चाहता हूं। ओरछा वह नगरी है, जहां पर राम राजा सरकार का मंदिर होने के साथ ही साथ पर्यटन केन्द्र के रूप में प्राकृति सौंदर्य बिखरा पड़ा है।

आदरणीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी ने ओरछा के प्राकृतिक सौंदर्य के बारे में मन की बात कार्यक्रम में भी उल्लेख किया था। वहां स्थित ऐतिहासिक मंदिर और किले कारण देशी पर्यटकों के साथ ही विदेशी पर्यटक भी बहुत बड़ी संख्या में ओरछा आते हैं और रिवर राफ्टिंग करते हैं। वे वहां बिखरे प्राकृतिक सौंदर्य को देखने के साइकिल लेकर जंगलों में चले जाते हैं।

सभापति महोदय, इसके साथ ही साथ इस स्थान पर, हमारे देश के अमर शहीद श्री चन्द्र शेखर आजाद जी, गुप्त वास के दौरान, साधुवेश में, सातार नदी के तट पर, हनुमान मंदिर के किनारे रहे थे। वहां उन्होंने एक बावड़ी अपने हाथों से खोदी थी। वह बावड़ी आज भी वहां पर है। मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान इस बात की ओर आकर्Âिषत करना चाहता हूं कि वहां के युवा आज भी प्रति वÂाऱ 27 फरवरी को मशाल लेकर ग्वालियर आते हैं।

महोदय, ऐसे ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व रखने वाले पर्यटन स्थल पर फिल्मी दुनिया के बड़े-बड़े प्रोडयूसर फिल्मों की शूटिंग करने के लिए आते हैं। इसलिए मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि श्री चन्द्र शेखर आजाद जी द्वारा खोदी गई बावड़ी को संरक्षित कर के, ओरछा को पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किए जाने के लिए तुलसी एक्सप्रैस, उदयपुर-वाराणसी एक्सप्रैस और बुन्देलखंड एक्सप्रैस ट्रेनों का स्टॉपेज दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही साथ, वहां के लिए, देश के विभिन्न भागों से हवाई सेवाएं प्रारम्भ की जाएं, ताकि देशी और विदेशी पर्यटक बड़ी संख्या में आ सकें।

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, श्री वीरेन्द्र कुमार जी द्वारा सदन में प्रस्तुत किए गए विÂषय से सर्वश्री

शरद त्रिपाठी,

सुधीर गुप्ता,

भैरोंप्रसाद मिश्र,

चन्द्र प्रकाश जोशी,

श्री कुंवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।